Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to grant the status of 'Shaheed' of Bhagat Singh, Rajguru, Sukhdev and other revolutionaries of Indian Freedom Movement.

श्री शरद त्रिपाठी (संत कबीर नगर) ः एक आर.टी.आई. से हैरान करने देने वाला खुलासा हुआ है जिसमें स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह को आतंकी और कट्टरपंथी युवा बताया गया है।

आर.टी.आई. के जरिये पूछे गये सवाल के जवाब में यह भी बताया गया है कि भारत सरकार ने अब तक भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को शहीद का दर्जा नहीं दिया है। यह सवाल भारतीय इतिहास में अनुसंधान परिऐाद (आई.सी.एच.आर.) से किया गया था। सवाल परिऐाद की ओर से नवंबर में जारी एक किताब को लेकर पूछा गया था, जिसमें देश के लिए प्राणों की आहूति देने वाले इन तीनों युवाओं को आतंकी और कट्टरपंथी युवा बताया गया है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आई.सी.एच.आर. के अध्यक्ष की नियुक्ति सरकार ही करती है। आर.टी.आई. के जरिये किये गये सवाल के जवाब से यह भी खुलासा हुआ है कि सत्ता में आई एक के बाद एक सभी सरकारों ने इन तीनों स्वतंत्रता सेनानियों को शहीद का दर्जा देने की उपेक्षा की जिनकी कहानियों ने पीढ़ियों को प्रेरित किया। भगत सिंह का नाम अमर शहीदों में प्रमुखता से लिया जाता है। 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को फांसी दे दी गई थी और इस तरह उन्होंने अपना जीवन बलिदान कर दिया।

अतः मैं सरकार से चाहूंगा कि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू एवं अन्य शहीद नामों को शहीद का दर्जा दिया जाये। इनके सहित और अन्य शहीदों को जैसे राम प्रसाद बिस्मिल, रानी लक्ष्मीबाई, तात्यां टोपे, चद्र शेखर आज़ाद, अशफाकउल्ला खान, कुँवर सिंह, दुर्गा भाभी इत्यादि वीरों को भी शहीद का दर्जा दिया जाये।